SHRI KULESHWAR MAHADEV GOVT. COLLEGE,

GOBRA NAWAPARA, RAIPUR, CG

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

गौरव उत्सव स्वर्णिम संकल्प

आमंत्रण

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय
गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)

मान्यवर, ____________________

अत्यंत हर्ष के साथ आपको सूचित किया जाता है। कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन का 25 वर्ष पूर्ण होने के पर **रजत जयंती** समारोह का आयोजन हर्षोउल्लास के साथ अपनी संस्था **श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा नवापारा** में मनाया जा रहा है। जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय, गोबरा नवापारा

रजत जयंती समारोह
8 सितम्बर 2025

सेमीनार

विषय:–छत्तीसगढ़ गठन के पश्यात् उच्च शिक्षा का विकास
मुख्य वक्ता :डॉ.टी.एल.वर्मा
समय 11 बजे पूर्वान्ह से

पूर्व छात्र-छात्रा सम्मलेन
समय अपरान्ह 02 बजे से

10 सितम्बर 2025
प्रश्नेत्तरी, स्लोगन, रंगोली, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता
समय दोपहर 12 बजे से

11 सितम्बर 2025
NSS ईकाई द्वारा गोद ग्राम तर्री में रैली तथा नुक्कड़ नाटक छ.ग.राज्य का रजत जयंती तक का सफर

-:विनीत:-

श्रीमती जीना सुजीत निषाद
अध्यक्ष जन भागीदारी
एवं समस्त सदस्य

डॉ. मधुरानी शुक्ला
प्राचार्य
एवं समस्त महाविद्यालय परिवार

-:रजत जयंती में अतिथियो का आगमन:-

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय
गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)

08/09/2025 सेमीनार/ संगोष्ठी (11 बजे से)

1. मान.श्री सचिन सचदेव (सभापति नगरपालिका नवापारा)
2. मान.श्रीमती पूजा कंसारी (सभापति नगर पालिका नवापारा)
3. मान.श्री अशोक गंगवाल (संासद प्रतिनिधी)

08/09/2025 एल्युमिनी मीट (02 बजे से)

1. मान.श्रीमती जीना सुजीत निषाद (अध्यक्ष जनभागीदारी समिति)
2. मान.श्रीमती निर्मला धीरज साहू (सभापति नगरपलिका नवापारा)

10/09/2025 भाषण,प्रमाण पत्र वितरण: -

1. मान.श्रीमती ओमकुमारी संजय साहू
   (अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा)
2. मान.श्री भूपेन्द्र सोनी जी
   (उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा)
3. मान.श्री नागेन्द्र वर्मा (मंडल अध्यक्ष)
4. मान.श्री राजू रजक (विधायक प्रतिनिधी)

11/09/2025 –NSS कार्यक्रम

1. मान.श्रीमती वर्षा संतोष मिश्रा (सभापति जनपद सदस्य)
2. मान.श्रीमती लता लखन सिन्हा (सरपंच ग्राम पचायत तर्री)

-:स्थान:-

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय
गोबरा नवापारा प्रांगण

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. टी.एल. वर्मा उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में डॉ. वर्मा ने सर्वप्रथम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अटल जी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व के कारण ही वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन संभव हो पाया। अटल जी ने नए राज्य को उसकी विशिष्ट पहचान दिलाने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की ठोस नींव रखी।

डॉ. वर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नीति शिक्षा को रोजगारोन्मुख, बहुविषयक और शोधपरक बनाने का संकल्प है। इससे विद्यार्थी केवल नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नवाचार करने वाले, उद्यमी और आत्मनिर्भर नागरिक बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में अद्वितीय है। नालंदा और तक्षशिला जैसी प्राचीन शिक्षण संस्थाओं से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक भारत की परंपरा सदैव ज्ञान, मूल्य और संस्कृति पर आधारित रही है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 33 नए महाविद्यालयों की स्थापना से ग्रामीण एवं अंचल क्षेत्रों तक शिक्षा का विस्तार हुआ है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 34 "नालंदा परिसर" तथा बिलासपुर में 100 करोड़ की लागत से एजुकेशन सिटी का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में नए गर्ल्स कॉलेज खोले गए हैं, जिससे महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के अवसर बढ़े हैं। रायपुर स्थित पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने "एम.ए. वूमन एंड जेंडर स्टडीज़" जैसा नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ किया है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि "विकसित भारत का सपना छात्रों के योगदान के बिना अधूरा है।" विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, शोध, नवाचार, स्टार्टअप, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा और ईमानदार नागरिकता के माध्यम से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। डॉ. वर्मा ने छात्रों से आग्रह किया कि वे सदैव अनुशासित, परिश्रमी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी बनें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कक्षा छोड़ते समय पंखा और लाइट के स्विच बंद करें, जल की बचत करें, प्लास्टिक का उपयोग न करें, और समाज में शुचिता बनाए रखते हुए धर्मान्तरण जैसी कुप्रथाओं से दूर रहें।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक पीयूषकांत भारद्वाज द्वारा किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.मधुरानी शुक्ला ने डॉ. वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और आभार प्रदर्शन भी किया।

इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष जीना निषाद, जनभागीदारी समिति के सदस्य अशोक गंगवाल, गोपाल निषाद, सचिन सचदेव सभापति, पूजा कंसारी सभापति तथा महाविद्यालय परिवार के सहायक प्राध्यापक श्री एस. आर. वड्डे, डॉ. प्रेमेंद्र कुमार उपाध्याय, श्री टिकेश्वर सिंह मरकाम, डॉ. अनीता साहा, श्रीमती रजिया सुल्ताना, श्रीमती श्वेता मिश्रा, श्री पुरुषोत्तम कुमार काबरा, श्री पीयूषकांत भारद्वाज, श्रीमती मोनिका साहू, श्रीमती नंदनी साहू, सुश्री पुष्पलता कँवर सुश्री साक्षी मेश्राम , सभी अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।"

कक्षा से जाते समय पंखा व बल्ब बंद करें छात्र : वर्मा

प्रदेश स्थापना पर रजत जयंती व्याख्यानशाला आयोजित

नई शिक्षा नीति रोजगारोन्मुख

नवभारत रिपोर्टर । नवापारा-राजिम।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन (Alumni Meet) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न सत्रों में अध्ययनरत रहे छात्र-छात्राएँ पुनः अपने पुराने परिसर में एकत्र हुए और महाविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात् प्राचार्य ने सभी आगंतुक भूतपूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि – "पूर्व छात्र-छात्राएँ किसी भी संस्थान की धरोहर होती हैं। उनकी उपलब्धियाँ संस्था का गौरव बढ़ाती हैं और वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं।"

इस अवसर पर अनेक पूर्व छात्रों ने महाविद्यालय में अपने अनुभव साझा किए तथा वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। भूतपूर्व छात्र तेजश्वर ने कहा कि – "इस महाविद्यालय ने हमें न केवल शिक्षा दी बल्कि जीवन मूल्यों को भी सिखाया। यहाँ का वातावरण हमेशा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा है।" हिमानी साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा – "यहाँ के प्राध्यापकों का सहयोग और मार्गदर्शन मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। आज भी मैं खुद को इस परिवार का हिस्सा मानती हूँ।" सोनिया निषाद ने कहा – "महाविद्यालय में बिताए गए पल अविस्मरणीय हैं। इस सम्मेलन ने हमें फिर से उन्हीं सुनहरे दिनों में लौटा दिया।"

मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री जीना निषाद ने अपने उद्बोधन में कहा – "किसी भी संस्था से निकले छात्र जब उच्च पदों पर पहुँचते हैं, तो उनका सबसे बड़ा दायित्व होता है कि वे अपनी सरलता एवं सहजता बनाए रखें। यही गुण उन्हें समाज में सम्मान और आदर्श बनाते हैं। महाविद्यालय परिवार की यही अपेक्षा है कि यहाँ से निकले छात्र-छात्राएँ सदैव विनम्रता और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखें।"

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्री टिकेश्वर सिंह मरकाम द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. उपाध्याय ने कहा कि – "भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का यह सम्मेलन न केवल हमें पुरानी यादों से जोड़ता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। पूर्व छात्रों के अनुभव और सुझाव महाविद्यालय की प्रगति में निश्चित ही सहायक सिद्ध होंगे।"

इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री जीना निषाद एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे जिनमें श्री एस. आर. वड्डे, डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय, श्री टिकेश्वर सिंह मरकाम, डॉ. अनीता साहा, श्रीमती श्वेता मिश्रा, श्री पुरुषोत्तम कुमार काबरा, श्री पीयूषकांत भारद्वाज, श्रीमती मोनिका साहू, श्रीमती नंदनी साहू, सुश्री पुष्पलता कँवर एवं सुश्री साक्षी मेश्राम, सभी अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं भूतपूर्व तथा वर्तमान छात्र-छात्राएँ प्रमुख रूप से सम्मिलित थे।

कार्यक्रम में आए सभी भूतपूर्व छात्र-छात्राओं एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन ने पुराने और वर्तमान पीढ़ी के बीच एक सेतु का कार्य किया तथा महाविद्यालय परिवार में आत्मीयता और सहयोग की नई ऊर्जा का संचार किया।

श्री कुलेश्वर महादेव महाविद्यालय में पूर्व छात्र-छात्राओं का सम्मेलन

नवभारत रिपोर्टर । राजिम।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न सत्रों में अध्ययनरत रहे छात्र-छात्राएं पुनः अपने पुराने परिसर में एकत्र हुए और महाविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया। प्राचार्य ने सभी आगंतुक भूतपूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व छात्र-छात्राएं किसी भी संस्थान की धरोहर होती हैं। उनकी उपलब्धियां संस्था का गौरव बढ़ाती हैं और वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर अनेक पूर्व छात्रों ने महाविद्यालय में अपने अनुभव साझा किए तथा वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। भूतपूर्व छात्र तेजश्वर ने कहा कि इस महाविद्यालय ने हमें न केवल शिक्षा दी बल्कि जीवन मूल्यों को भी सिखाया। हिमानी साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा यहाँ के प्राध्यापकों का सहयोग और मार्गदर्शन मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। सोनिया निषाद ने कहा महाविद्यालय में बिताए गए पल अविस्मरणीय हैं। इस सम्मेलन ने हमें फिर से उन्हीं सुनहरे दिनों में लौटा दिया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जीना निषाद एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे जिनमें एस. आर. वड्डे, डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय, टिकेश्वर सिंह मरकाम, डॉ. अनीता साहा, श्वेता मिश्रा सभी अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं भूतपूर्व तथा वर्तमान छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गोबरा–नवापारा में भूतपूर्व छात्र–छात्रा सम्मेलन का आयोजन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, नवापारा राजिम

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न सत्रों में अध्ययनरत रहे छात्र-छात्राएँ पुनः अपने पुराने परिसर में एकत्र हुए और महाविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात्प्राचार्य ने सभी आगंतुक भूतपूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व छात्र-छात्राएँ किसी भी संस्थान की धरोहर होती हैं। उनकी उपलब्धियाँ संस्था का गौरव बढ़ाती हैं और वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर अनेक पूर्व छात्रों ने महाविद्यालय में अपने अनुभव साझा किए तथा वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। भूतपूर्व छात्र तेजश्वर ने कहा कि इस महाविद्यालय ने हमें न केवल शिक्षा दी बल्कि जीवन मूल्यों को भी सिखाया। यहाँ का वातावरण हमेशा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा है। हिमानी साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा यहाँ के प्राध्यापकों का सहयोग और मार्गदर्शन मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। आज भी मैं खुद को इस परिवार का हिस्सा मानती हूँ। सोनिया निषाद ने कहा महाविद्यालय में बिताए गए पल अविस्मरणीय हैं। इस सम्मेलन ने हमें फिर से उन्हीं सुनहरे दिनों में लौटा दिया।

मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जीना निषाद ने अपने उद्बोधन में कहा किसी भी संस्था से निकले छात्र जब उच्च पदों पर पहुँचते हैं, तो उनका सबसे बड़ा दायित्व होता है कि वे अपनी सरलता एवं सहजता बनाए रखें। यही गुण उन्हें समाज में सम्मान और आदर्श बनाते हैं। महाविद्यालय परिवार की यही अपेक्षा है कि यहाँ से निकले छात्र-छात्राएँ सदैव विनम्रता और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखें। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक टिकेश्वर सिंह मरकाम द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. उपाध्याय ने कहा कि भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का यह सम्मेलन न केवल हमें पुरानी यादों से जोड़ता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। पूर्व छात्रों के अनुभव और सुझाव महाविद्यालय की प्रगति में निश्चित ही सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जीना निषाद एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे जिनमें एस. आर. वड्डे, डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय, टिकेश्वर सिंह मरकाम, डॉ. अनीता साहा, श्वेता मिश्रा, पुरुषोत्तम कुमार काबरा, पीयूषकांत भारद्वाज, मोनिका साहू, नंदनी साहू, पुष्पलता कँवर एवं साक्षी मेश्राम, सभी अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं भूतपूर्व तथा वर्तमान छात्र-छात्राएँ प्रमुख रूप से सम्मिलित थे। कार्यक्रम में आए सभी भूतपूर्व छात्र-छात्राओं एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन ने पुराने और वर्तमान पीढ़ी के बीच एक सेतु का कार्य किया तथा महाविद्यालय परिवार में आत्मीयता और सहयोग की नई ऊर्जा का संचार किया।

दैनिक भास्कर
आंचलिक 10-09-2025

एलुमनी मीट • श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा के कार्यक्रम में भावुक हुए भूतपूर्व विद्यार्थी

भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अनुभव सुनाए, कॉलेज प्रबंधन को सुझाव भी दिए

भास्कर न्यूज़ | गोबरा-नवापारा

भूतपूर्व विद्यार्थियों के सम्मेलन में जुटे भूतपूर्व छात्र और छात्राएं।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भूतपूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न सत्रों में अध्ययनरत रहे छात्र-छात्राए पुनः अपने पुराने परिसर में एकत्र हुए और महाविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया।

प्राचार्य ने सभी आगंतुक भूतपूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व छात्र-छात्राएं किसी भी संस्थान की धरोहर होती हैं। उनकी उपलब्धियां संस्था का गौरव बढ़ाती हैं और वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर अनेक पूर्व छात्रों ने महाविद्यालय में अपने अनुभव साझा किए तथा वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत किया।

भूतपूर्व छात्र तेजश्वर ने कहा कि इस महाविद्यालय ने हमें न केवल शिक्षा दी बल्कि जीवन मूल्यों को भी सिखाया। यहां का वातावरण हमेशा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा है।

हिमानी साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा यहां के प्राध्यापकों का सहयोग और मार्गदर्शन मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। आज भी मैं खुद को इस परिवार का हिस्सा मानती हूँ।

सोनिया निषाद ने कहा महाविद्यालय में बिताए गए पल अविस्मरणीय हैं। इस सम्मेलन ने हमें फिर से उन्हीं सुनहरे दिनों में लौटा दिया।

इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जीना निषाद एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे जिनमें एसआर वड्डे, डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय, टिकेश्वर सिंह मरकाम, डॉ. अनीता साहा, श्वेता मिश्रा, पुरुषोत्तम कुमार काबरा, पीयूष्कांत भारद्वाज, मोनिका साहू, नंदनी साहू, पुष्पलता कंवर एवं साक्षी मेश्राम, सभी अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं भूतपूर्व तथा वर्तमान छात्र-छात्राएं आदि

हमेशा विनम्रता बनाए रखें भूतपूर्व छात्र: अध्यक्ष

मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जीना निषाद ने अपने उद्बोधन में कहा किसी भी संस्था से निकले छात्र जब उच्च पदों पर पहुंचते हैं, तो उनका सबसे बड़ा दायित्व होता है कि वे अपनी सरलता एवं सहजता बनाए रखें। यही गुण उन्हें समाज में सम्मान और आदर्श बनाते हैं। महाविद्यालय परिवार की यही अपेक्षा है कि यहां से निकले छात्र-छात्राएं सदैव विनम्रता और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखें।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक टिकेश्वर सिंह मरकाम द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. उपाध्याय ने कहा कि – भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का यह सम्मेलन न केवल हमें पुरानी यादों से जोड़ता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। पूर्व छात्रों के अनुभव और सुझाव महाविद्यालय की प्रगति में निश्चित ही सहायक सिद्ध होंगे।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा एवं गौरवशाली धरोहर पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सृजनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने चित्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति एवं सामाजिक जीवन को दर्शाया। स्लोगन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आकर्षक नारों के माध्यम से "छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया" की भावना को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने चावल, फूल एवं रंगों से छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोकनृत्य और त्योहारों को जीवंत किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की सामाजिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें प्रतिभागियों से छत्तीसगढ़ की भाषा, संस्कृति और भूगोल से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे गए। इनमें प्रमुख प्रश्न थे –

"खरही ला का कहे जाथे?"

"राजीव लोचन मंदिर में जो प्रसाद बाँटे जाथे, ओला का कहे जाथे?"

"चप्पल ला छत्तीसगढ़ी में का कथे?"

"छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ?"

"एक खांडी मं कतका काठा होथे?"

इन प्रश्नों के उत्तर देकर प्रतिभागियों ने अपनी जानकारी और त्वरित उत्तर देने की क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन सहायक प्राध्यापक श्री पुरुषोत्तम कुमार काबरा द्वारा किया गया।

विजेता प्रतिभागी इस प्रकार रहे –

पोस्टर प्रतियोगिता : प्रथम – रानी निर्मलकर, द्वितीय – रुखमणि साहू

भाषण प्रतियोगिता : प्रथम – नितलेश साहू, द्वितीय – योगिता रात्रे

रंगोली प्रतियोगिता : प्रथम – हिना साहू, द्वितीय – तुलेश्वरी

स्लोगन प्रतियोगिता : प्रथम – रुखमणि साहू, द्वितीय – वरुण साहू

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : प्रथम – चैतन्य तारक, द्वितीय – तीजू साहू

प्राचार्य डॉ. मधुरानी शुक्ला ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि – "छत्तीसगढ़ की थीम पर आयोजित प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में अपनी माटी, संस्कृति और परंपरा के प्रति गर्व एवं आत्मीयता की भावना उत्पन्न करती हैं।"

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती जीना निषाद, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ओम कुमारी संजय साहू, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री भूपेंद्र सोनी, श्री नागेंद्र

श्री राजू रजक सम्मिलित हुए और विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ओम कुमारी संजय साहू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा – "विद्यार्थी जीवन अनुशासन और परिश्रम से ही सार्थक बनता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं बल्कि जीवन मूल्यों को आत्मसात करना है। विद्यार्थी यदि सदैव अपने गुरुजनों की आज्ञा का पालन करें, माता-पिता का सम्मान करें और ईमानदारी, निष्ठा तथा अनुशासन को जीवन में अपनाएँ, तो वे निश्चित ही सफल होंगे। शिक्षक का मार्गदर्शन ही जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।"

वहीं नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री भूपेंद्र सोनी ने अपने वक्तव्य में कहा – "भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय है। हमारे शास्त्रों में विद्यार्थी के पाँच लक्षण बताए गए हैं – 'काक चेष्टा, बक ध्यानम्, श्वान निद्रा, अल्पहारी, गृहत्यागी' । अर्थात विद्यार्थी को कौए जैसी जिज्ञासा, बगुले जैसा गहन ध्यान, कुत्ते जैसी सतर्कता, सीमित भोजन और गृहत्याग जैसी तपस्या अपनानी चाहिए। इन गुणों को जीवन में धारण करने वाला विद्यार्थी ही सच्चे अर्थों में सफल होता है।

भारतीय संस्कृति केवल पूजा-पाठ या रीति-रिवाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। इसमें सत्य, अहिंसा, करुणा, कर्तव्यनिष्ठा, बड़ों का सम्मान और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की शिक्षा निहित है। हमारी संस्कृति ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश देकर पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की दृष्टि दी है।

आज के दौर में जब आधुनिकता और भौतिकता तेजी से बढ़ रही है, तब भारतीय संस्कृति ही हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखती है। यदि विद्यार्थी संस्कृति के इन मूल्यों को आत्मसात करेंगे तो वे न केवल अपने परिवार और समाज का गौरव बढ़ाएँगे बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराएँ और लोकजीवन इसकी जीवंत मिसाल हैं।"

निर्णायक मंडल में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों का योगदान रहा – श्री जीतेन्द्र कुमार सिन्हा, श्री एस. आर. वड्डे, डॉ. प्रेमेंद्र कुमार उपाध्याय, श्री टिकेश्वर सिंह मरकाम, सुश्री पुष्पलता, सुश्री साक्षी मेश्राम। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सहायक प्राध्यापक सुश्री पुष्पलता कँवर द्वारा किया गया तथा अंत में प्राचार्य ने निर्णायकों, अतिथियों एवं विजेताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री कुलेश्वर महादेव महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ थीम पर हुई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवापारा-राजिम।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली धरोहर पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी सृजनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पोस्टर, स्लोगन, रंगोली, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें छत्तीसगढ़ की लोककला, सामाजिक जीवन, भाषा और इतिहास की झलक मिली।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोककला को चित्रों में प्रस्तुत किया। स्लोगन प्रतियोगिता में "छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया" का संदेश प्रभावी ढंग से उभरा। रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने रंगों एवं फूलों से छत्तीसगढ़ी त्योहारों और लोकनृत्यों का सुंदर चित्रण किया। भाषण प्रतियोगिता में सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और भूगोल से जुड़े सवाल पूछे गए, जिनका संचालन सहायक प्राध्यापक पुरुषोत्तम काबरा ने किया।

विजेता प्रतिभागी: पोस्टर में प्रथम रानी निर्मलकर, द्वितीय रुखमणि साहू; भाषण में प्रथम नितलेश साहू, द्वितीय योगिता रात्रे; रंगोली में प्रथम हिना साहू, द्वितीय तुलेश्वरी; स्लोगन में प्रथम रुखमणि साहू, द्वितीय वरुण साहू; प्रश्नोत्तरी में प्रथम चैतन्य तारक, द्वितीय तीजू साहू रहे। प्राचार्य डॉ. मधुरानी शुक्ला ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ थीम पर पोस्टर, स्लोगन, रंगोली, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

अतिथियों के विचार

नगरपालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ने कहा कि विद्यार्थी जीवन अनुशासन, सम्मान और निष्ठा से सार्थक होता है। उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्कृति जीवन जीने की कला है, जो सत्य, अहिंसा एवं करुणा सिखाती है। अतिथियों ने विद्यार्थियों के उत्साह को सराहा और पुरस्कार वितरित किए।

राज्य की रजत जयंती • कुलेश्वर महादेव कॉलेज में छत्तीसगढ़ी थीम पर कई स्पर्धाओं का किया गया आयोजन

राजीव लोचन के प्रसाद का नाम ..? जैसे सवालों ने उलझाया

भास्कर न्यूज | नवापारा-राजिम

राज्य निर्माण की रजत जयंती के मौके पर कुलेश्वर महादेव कॉलेज में छत्तीसगढ़ी थीम पर कई स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ी थीम पर प्रश्नोत्तरी भी हुई, जिसमें राजीव लोचन भगवान को चढ़ने वाले प्रसाद को छत्तीसगढ़ी में क्या कहते हैं? जैसे कई सवालों ने प्रतिभागियों को खूब उलझाया।

पोस्टर प्रतियोगिता में रानी निर्मलकर ने प्रथम और रुक्मणि साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला, सामाजिक जीवन और पारंपरिक विरासत को दर्शाया। रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने चावल, फूल और रंगों से छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोकनृत्य और त्योहारों को जमीन पर साकार किया। इसमें हिना साहू प्रथम और तुलेश्वरी द्वितीय स्थान पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया की भावना को अपने नारों में समेटा। रुक्मणि साहू ने प्रथम और वरुण साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं पर प्रभावशाली ढंग से विचार रखे। नितलेश साहू ने प्रथम और योगिता रात्रे ने द्वितीय स्थान पाया। कार्यक्रम की खास प्रस्तुति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रही। इसमें प्रतिभागियों से छत्तीसगढ़ की भाषा, संस्कृति और भूगोल से जुड़े सवाल पूछे गए। प्रमुख सवालों में खरही सा का कहे जाथे? बचपन को छत्तीसगढ़ी में क्या बोलते हैं? छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा मंत्री का नाम क्या है? एक खांडी में कतका काठा होथे? आदि शामिल रहे। प्रतियोगिता का संचालन सहायक प्राध्यापक पुरुषोत्तम कुमार काबरा ने किया। चैतन्य तारक ने प्रथम और तीजू साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष नीना निषाद, नगरपालिका अध्यक्ष ओम कुमारी संजय साहू, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, नागेंद्र वर्मा और राजू रजक शामिल हुए।

नवापारा-राजिम। प्रतियोगिता के दौरान रंगोली का निरीक्षण करते शिक्षक।

अनुशासन और मेहनत ही सफलता की कुंजी: ओम

पालिका अध्यक्ष ओम कुमारी संजय साहू ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, जीवन मूल्यों की समझ है। पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने स्टूडेंट्स को भारतीय शास्त्रों में बताए गए 5 लक्षणों काक चेष्टा, बको ध्यानम्, श्वान निद्रा, अल्पहारी, गृहत्यागी की याद दिलाई। उन्होंने भारतीय संस्कृति को जीवन जीने की कला बताया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन सहायक प्राध्यापक सुश्री पुष्पलता कश्यप ने किया।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक का केंद्रीय विषय था – "छत्तीसगढ़ का 25 वर्षों में विकास, संस्कृति का महत्व एवं विकास की योजनाएँ"।

नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य राज्य की प्रगति की यात्रा को जन-जन तक पहुँचाना और युवाओं में जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र की उन्नति, औद्योगिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास जैसे विषयों को सरल और रोचक शैली मे प्रस्तुत किया गया।

नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, लोकगीत और लोकनृत से है। संस्कृति और विकास यदि समानांतर रूप से आगे बढ़ें तभी समग्र प्रगति संभव है। कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया और सभी को राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर गर्व करने का अवसर दिया।

इस अवसर पर सभापति श्रीमती वर्षा संतोष मिश्रा, श्रीमती लता लखन सिन्हा (सरपंच), पूर्व सरपंच श्री जिनेन्द्र वर्मा, जन भागीदारी सदस्य श्री लखन लाल सिन्हा, जनभागीदारी सदस्य श्री ईश्वर लाल देवांगन तथा पंच श्रीमती पार्वती स विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभापति श्रीमती वर्षा संतोष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा – "छत्तीसगढ़ की स्थापना के 2 वर्षों की यह यात्रा गौरवपूर्ण रही है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है, और जब युवा शक्ति इसे मंच पर प्रस्तुत करती है तो समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है।"

श्रीमती लता लखन सिन्हा (सरपंच) ने कहा – "विकास योजनाएँ तभी सफल होती हैं जब समाज जागरूक हो उनका लाभ ले। आज के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की प्रगति को जिस रूप में प्रस्तुत किया है, वह प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है।" महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा – "छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरो और विकास की यात्रा को याद करने का श्रेष्ठ अवसर है। विद्यार्थी जब सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ते हैं, तभी राज्य का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है।"

कार्यक्रम का संचालन श्री एस.आर. वड्डे द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया।

आयोजन : श्री कुलेश्वर महादेव महाविद्यालय में प्रदेश की विकास यात्रा पर नुक्कड़ नाटक

विकास योजनाएं तभी सफल होती हैं जब समाज उनका लाभ ले : लता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक का केंद्रीय विषय था। छत्तीसगढ़ का 25 वर्षों में विकास, संस्कृति का महत्व एवं विकास की योजनाएं। नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य राज्य की प्रगति की यात्रा को जन-जन तक पहुँचाना और युवाओं में जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र की उन्नति, औद्योगिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास जैसे विषयों को सरल और रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया। नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, लोकगीत और लोकनृत्य से है। संस्कृति और विकास यदि समानांतर रूप से आगे बढ़ें तभी समग्र प्रगति संभव है। कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया और सभी को राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर गर्व करने का अवसर दिया। इस अवसर पर सभापति वर्षा-संतोष मिश्रा, सरपंच लता सिन्हा, पूर्व सरपंच जिनेन्द्र वर्मा, जन भागीदारी सदस्य लखन सिन्हा, जनभागीदारी सदस्य ईश्वर देवांगन तथा पंच पार्वती साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभापति वर्षा-संतोष मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 वर्षों की यह यात्रा गौरवपूर्ण रही है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है, और जब युवा शक्ति इसे मंच पर प्रस्तुत करती है तो समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है।

विकास की यात्रा को याद करने का श्रेष्ठ अवसर

सरपंच लता सिन्हा ने कहा कि विकास योजनाएं तभी सफल होती हैं जब समाज जागरूक होकर उनका लाभ ले। आज के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की प्रगति को जिस रूप में प्रस्तुत किया है, वह प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा की छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर और विकास की यात्रा को याद करने का श्रेष्ठ अवसर है। विद्यार्थी जब सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ते हैं, तभी राज्य का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है। संचालन एसआर वड्डे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन

अमन पथ न्यूज

गोबरा-नवापारा। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक का केंद्रीय विषय था झ झछत्तीसगढ़ का 25 वर्षों में विकास, संस्कृति का महत्व एवं विकास की योजनाएँझ। नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य राज्य की प्रगति की यात्रा को जन-जन तक पहुँचाना और युवाओं में जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र की उन्नति, औद्योगिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास जैसे विषयों को सरल और रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया। नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, लोकगीत और लोकनृत्य से है। संस्कृति और विकास यदि समानांतर रूप से आगे बढ़ें तभी समग्र प्रगति संभव है। कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया और सभी को राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर गर्व करने का अवसर दिया। इस अवसर पर सभापति श्रीमती वर्षा संतोष मिश्रा, श्रीमती लता लखन सिन्हा (सरपंच), पूर्व सरपंच श्री जिनेन्द्र वर्मा, जन भागीदारी सदस्य श्री लखन लाल सिन्हा, जनभागीदारी सदस्य श्री ईश्वर लाल देवांगन तथा पंच श्रीमती पार्वती साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभापति श्रीमती वर्षा संतोष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा झ झछत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 वर्षों की यह यात्रा गौरवपूर्ण रही है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है, और जब युवा शक्ति इसे मंच पर प्रस्तुत करती है ।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक का केंद्रीय विषय था छत्तीसगढ़ का 25 वर्षों में विकास, संस्कृति का महत्व एवं विकास की योजनाएं।

नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य राज्य की प्रगति की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाना और युवाओं में जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र की उन्नति, औद्योगिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास जैसे विषयों को सरल और रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया।

नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, लोकगीत और लोकनृत्य से है। संस्कृति और विकास यदि समानांतर रूप से आगे बढ़ें तभी समग्र प्रगति संभव है। कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया और सभी को राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर गर्व करने का अवसर दिया।

इस अवसर पर सभापति वर्षा संतोष मिश्रा, लता सिन्हा (सरपंच), पूर्व सरपंच जिनेन्द्र वर्मा, जन भागीदारी सदस्य लखन लाल सिन्हा, जनभागीदारी सदस्य ईश्वर लाल देवांगन तथा पंच पार्वती साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

25 वर्षों से गौरवपूर्ण रही

सभापति वर्षा संतोष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 वर्षों की यह यात्रा गौरवपूर्ण रही है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है, और जब युवा शक्ति इसे मंच पर प्रस्तुत करती है तो समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है।

लता सिन्हा (सरपंच) ने कहा - विकास योजनाएं तभी सफल होती हैं जब समाज जागरूक होकर उनका लाभ ले। आज के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की प्रगति को जिस रूप में प्रस्तुत किया है, वह प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है।

महाविद्यालय की प्राचार्य मधुरानी शुक्ला ने कहा-छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर और विकास की यात्रा को याद करने का श्रेष्ठ अवसर है। विद्यार्थी जब सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ते हैं, तभी राज्य का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है।

कार्यक्रम का संचालन एस.आर. वड्डे द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया।

श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन किए जा रहे

नुक्कड़ नाटक के जरिए बताई छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा

भास्कर न्यूज | नवापारा राजिम

नवापारा-राजिम। जागरूकता रैली में शामिल छात्र और अन्य स्टाफ।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक का केंद्रीय विषय था "छत्तीसगढ़ का 25 वर्षों में विकास, संस्कृति का महत्व एवं विकास की योजनाएँ। नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य राज्य की प्रगति की यात्रा को जन-जन तक पहुँचाना और युवाओं में जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र की उन्नति, औद्योगिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास जैसे विषयों को सरल और रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया। नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, लोकगीत और लोकनृत्य से है। संस्कृति और विकास यदि समानांतर रूप से आगे बढ़ें, तभी समग्र प्रगति संभव है। कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया और सभी को राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर गर्व करने का अवसर दिया।

इस अवसर पर सभापति वर्षा संतोष मिश्रा, लता लखन सिन्हा (सरपंच), पूर्व सरपंच जिनेन्द्र वर्मा, जनभागीदारी सदस्य लखन लाल सिन्हा, जनभागीदारी सदस्य ईश्वर लाल देवांगन, पंच पार्वती साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभापति वर्षा संतोष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा – छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 वर्षों की यह यात्रा गौरवपूर्ण रही है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है, और जब युवा शक्ति इसे मंच पर प्रस्तुत करती है, तो समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है। लता लखन सिन्हा (सरपंच) ने कहा "विकास योजनाएँ तभी सफल होती हैं जब समाज जागरूक होकर उनका लाभ ले। आज के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की प्रगति को जिस रूप में प्रस्तुत किया है, वह प्रशंसनीय और प्रेरणादायी है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा "छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर और विकास की यात्रा को याद करने का श्रेष्ठ अवसर है। विद्यार्थी जब सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ेंगे, तभी राज्य का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा।